पो.रजि. 94/2000

संस्थापक : स्वतंत्रता सेनानी स्व. अम्बालाल माथुर

दैनिक लोकमत

INS

E-MAIL-[illegible] INDIA@Yahoo.Com.
बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, [illegible], नागौर से एक साथ प्रसारित

LOKMAT IS A RESURGENT VOICE OF NORTH WEST FRONTIER

Member of INS

फैक्स नं. 0151-523557 फोन 200146, 523[illegible] बीकानेर 20 अप्रेल 2001 संपादक - अशोक माथुर

164

कैन्सर का चमत्कारिक सफल इलाज

जयपुर के वैद्य ने देश-विदेशों में तहलका मचाया

जयपुर(संवाद)। जयपुर के वैद्य नंदलाल तिवारी द्वारा खोजी गई दवा ने कैंसर के इलाज को दुनिया में तहलका मचा दिया है। तिवारी के खौफनाक कैंसर के उपचार में मिली चमत्कारी सफलता का डंका विदेशों में भी बजने लगा है। भारत के अलावा अमेरिका,जापान,स्वीडन, स्विट्जरलैण्ड, अफ्रीका, दुबई, बहरीन, सिंगापुर,केन्या, पाकिस्तान, मेलेशिया, आदि कई देशों के कैंसर रोगी तिवारी से उपचार कराने के बाद स्वस्थ जीवन जी रहे है। विदेशों की प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं ने इन रोगियों के कैंसर से मुक्त हो जाने की पुष्टि की है। सुखद आश्चर्य की बात यह है कि इनमें से अधिकतर रोगी अंतिम अवस्था(लास्ट स्टेज) के कैंसर से पीड़ित थे।

तिवारी को मिली इस अपूर्व सफलता को देखकर विकसित देशों के प्रतिष्ठित चिकित्सालय भी उन्हें मरीज भेजने लगे है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में बने विश्व के प्रथम कैंसर चिकित्सालय 'दी रॉयल मर्सडेन हॉस्पिटल, लंदन तथा सरे(ब्रिटेन) ने श्री तिवारी की सेवाओं का लाभ उठाने की पहल की। दुनिया के इस नामी कैंसर अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. सी. एल हार्मर तथा रजिस्ट्रार रिचर्ड बर्टन ने लीवर कैंसर की रोगी सोफिया को उपचार के लिए तिवारी के पास भेजा। इस रोगी को अप्रत्याशित लाभ होने के बाद क्लीवलैण्ड(अमेरिका) के विश्व प्रसिद्ध चिकित्सालय दी इंग्लेस क्लिफ मेडिकल प्रैक्टिस के विशेषज्ञ डॉ. टी.ओ. केलोगन तथा डॉ. डी. लीच ने लंदन से रक्त कैंसर के इलाज के लिए उनके द्वारा पहुंचे नाजिर हुसैन को कारगर उपचार के लिए तिवारी के पास भेजा। इसके पश्चात केलीफोर्निया (अमेरीका) के मशहूर चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ने कैंसर पीड़ितों के उपचार में तिवारी की सेवाओं का लाभ लिया।

इस क्रम में लंदन का वह नामी गिरामी सेंट थॉमस हॉस्पिटल भी पीछे नहीं रहा, जिससे एचआरसीएस की चिकित्सकीय डिग्री लेना भारत समेत अनेक देशों के चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए बड़ी बात मानी जाती है। इस थॉमस हॉस्पिटल के विख्यात चिकित्सक निकलोसेफ ने अपने यहां भर्ती कैंसर रोगी के उपचार के लिए श्री तिवारी को पत्र लिखा। अमेरिका के रक्त कैंसर से पीड़ित के. गोविन्द राव ने यहां आकर श्री तिवारी से दवा ले जाने तथा उससे लाभान्वित होने के बाद कैलीफोर्निया के मनजीतसिंह ने भी श्री तिवारी से उनकी बनाई आयुर्वेदिक औषधि कर्कटोल लेकर रक्त कैंसर से निजात पाई। तिवारी के उपचार से कैंसर मुक्त हुए देश विदेश के ऐसे कई रोगियों से साक्षात्कार कर ब्रिटेन की मसुबेन आगलाथी ने इस करिश्माई कामयाबी पर एक वृत चित्र(डॉक्यूमेंट्री) बनाया है।

इस वीडियो फिल्म में कैंसर जैसे असाध्य माने जाने रोग से ग्रस्त स्त्री पुरूषों की रोग मुक्ति की सत्य कथाएं देख सुन कर महसूस होता है कि श्री तिवारी ने विचित्र किन्तु सत्य के अंदाज में असंभव को संभव कर दिखाया है। इस सत्य से साक्षात्कार किए बिना तथा मृत्युशैया से उठकर चंगे हुए रोगियों से मिले बगैर सहसा विश्वास नहीं होता कि कैंसर जैसे इस प्राणघातक रोग पर पूर्णत: विजय प्राप्त करने के लिए कारगर दवा की खोज पर पूरी दुनिया में अरबों रूपए खर्च किए जा रहे है और फिर भी पूरी सफलता नहीं मिल रही है, उस पर काबू पाने में श्री तिवारी अकेले अपने बुते कामयाब हो चुके है। 2/13 मालवीय नगर, जयपुर -302017(फोन: 0141-521224, 521385) में रह रहे वयोवृद्ध वैद्य नंदलाल तिवारी की इस असाधारण सफलता का ही कमाल है कि उन्हें एक लाख रूपए तक के एक्जीक्यूटिव क्लास के हवाई टिकट भेजकर कई देशों में कैंसर पीड़ित अपने ईलाज के लिए बुला रहे है।

लगभग 25 वर्षों की अनवरत साधना के बाद तिवारी ने प्राचीन ग्रंथों व भारत सरकार द्वारा आयुर्वेदिक औषधि के रूप में मान्य 8 वनस्पतियों का शुद्ध मिश्रण तैयार कर उसे कर्कटोल नाम दिया है। कैंसर की इस महा औषधि को देश के प्रसिद्ध शीर्षस्थ ऐलोपैथिक चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान (फार्माकोलाजी) विभाग ने भी परीक्षण के बाद पूर्णरूप से सुरक्षित व निरापद घोषित किया है। इस जांच रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए एम्स के पूर्व अपर प्राचार्य डॉ. जगन्नाथ शर्मा(एमडी) इस औषधि से कैंसर पीड़ितों को लाभ मिलने की पुष्टि कर चुके है। यहीं नहीं लंदन की प्रतिष्ठित लाइन मार्टिन एंड रैड फोर्ड लेबोरेटरी ने भी श्री तिवारी द्वारा जड़ी बुटियों से तैयार किए गए इस अद्भुत आयुर्वेदिक यौगिक का परीक्षण कर इसे निर्दोष सिद्ध किया है।

इंग्लैण्ड की इस नामी प्रयोगशाला के प्रमुख दवा विश्लेषक केरोल आर. ब्यायनेट ने कर्कटोल का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद इसे संतोषप्रद तथा माननीय उपभोग के लिए सुरक्षित करार दिया है। यह दवा कैंसर की बहु प्रचलित दवाओं, रेडियोथैरेपी, कीमोथैरेपी की तरह रोगी के शरीर पर जहरीला दुष्प्रभाव नहीं डालती। देश विदेश के कई ऐलोपैथिक चिकित्सक भी इस दवा से अपने कैंसर पीड़ित परिजनों का उपचार करा चुके है।